Roll No. : ..... Total Pages : 7

2381-R

IInd Year Arts (Regular) Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper – I

(काव्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

PART–A [Marks : 20]

(खण्ड–अ)

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B [Marks : 50]

(खण्ड–ब)

Answer *five* questions (250 words each). Select *one* question from each unit. All questions carry equal marks.

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C [Marks : 30]

(खण्ड-स)

Answer any *two* questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(इकाई–I)

(i) रीतिकाल का प्रवर्तक आचार्य किसे कहा गया है?

(ii) मतिराम ने अपनी किस रचना में शृंगार को 'रसराजत्व' प्रदान किया है?

(इकाई–II)

(iii) भिखारीदास की छन्द-विवेचन विषयक रचना कौन-सी है? नाम लिखिए।

(iv) 'कवित्त रत्नाकर' के रचयिता का नाम क्या था?

(इकाई–III)

(v) भूषण ने किन **दो** इतिहास प्रसिद्ध नायकों की कीर्ति को अपने काव्य का विषय बनाया है? नाम लिखिए।

(vi) घनानंद किस मुगल सम्राट के राज दरबार से सम्बद्ध थे?

(इकाई–IV)

(vii) देव कवि की किन्हीं **दो** काव्य-रचनाओं के नाम लिखिए।

(viii) बिहारी का भक्ति सम्बन्धी **एक** दोहा लिखिए।

(इकाई–V)

(ix) प्रमुख रसावयवों के नाम लिखिए?

(x) किन्हीं **चार** काव्य-दोषों के नाम लिखिए?

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

हाथी न, साथी न, छोरे न, चेरे न, गाऊं न, ठाऊं, कुठाऊं बिलैहैं।

तात न मात, न पुत्र, न मित्र, न बित्त, न तीय कहूँ संग रैहैं।।

केसव काम के राम बिसारत, और निकाम रे काम न ऐहै।

चेति रेचेति अजौं चित्त अन्तर, अन्त लोक अकेलोई जैहै।।

अथवा

आगर बुद्धि उजागर है, भवसागर की तरनी को खिवैया।

व्यक्त विधान अनंद निधान है, भक्ति सुधा रस प्रान भवैया।।

जाने यह अनुमान यहै मन मान कै दास भयौ है सिवैया।

मुक्ति को धाम है राम कौ दाम है राम को नाम है कागद गैया।।

(इकाई–II)

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

देखि छिति अम्बर जलै है चारि ओर घोर

तिन तरबर सब हीं कौं रूप हरयौ है

महा झर लागै जोति भादव की होति चलै

जलद पवन तन सकै मानौ परयौ है।

दारून तरनि तरैं नदी सुख पावैं सब

सीरी धन छांह चाहिबोई चित्त धरयौ है।

देखौं चतुराई सेनापति कविताई की जु

ग्रीषम विषभ बरसा की सम करयौ है।

अथवा

काहे को बघम्बर को ओढ़ि करू अडम्बर
काहे को दिगम्बर है, दूब खाय रहिये
कहै 'पद्माकर' त्यों काय के कलेस नित
सीकर सभीत सीत बात ताप सहिये।
काहे को जपोगे जप काहे को तपोगे तप
काहे को प्रपंच पंचपावक में दहिये
रैन दिन आठों जाम राम राम राम राम
सीताराम सीताराम सीताराम कहिये।।

(इकाई–III)

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

दावा द्रुम दण्ड पर, चीता मृग झुण्ड पर,
'भूषण' वितुण्ड पर जैसे मृगराज है
तेज तम-अंस पर, कान्ह जिमि कंस पर
त्यों म्लेछ-बंस पर सेर सिवराज है।

अथवा

आनंद के घन प्रानजीवन सुजान बिना

जानि कै अकेली सब घेरौं दल जोरी लै।

जो लौं करै आवन विनोद बरसावन वें,

तौं लों रे डरारे, बजमारे घन घोरि लै।

(इकाई–IV)

5. देव के अनुभूति एवं अभिव्यक्ति पक्ष का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

'बिहारी का काव्य गागर में सागर है' के आधार पर समासिकता को पुष्ट करते हुए कला पक्ष की विवेचना कीजिए।

(इकाई–V)

6. काव्य-गुणों की परिभाषा देते हुए उदाहरण सहित प्रकार स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रीतिमुक्त काव्यधारा की विशेषताएँ लिखिए।

खण्ड-स

7. घनानन्द प्रेम की पीर के कवि हैं। इस कथन की उदाहरण सहित पुष्टि कीजिए।

अथवा

सेनापति के ऋतु वर्णन की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

8. 'भूषण वीर रस के प्रसिद्ध कवि और राष्ट्रीय-चेतना के प्रसारक थे।' इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए।

अथवा

9. काव्य-दोष किसे कहते हैं? काव्य-दोष कितने प्रकार के होते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।